

एम्. ए. हिंदी

परीक्षा : दिसंबर - २०२३

प्रथम वर्ष

सत्र - १

विषय : भारतीय साहित्यशास्त्र (HC - 101)

दि.: १९/१२/२०२३

कुल अंक : १००

समय :दो. २.०० से दो. ५.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ भारतीय साहित्यशास्त्र के विकास पर प्रकाश डालते हुए, काव्यशास्त्र के आचार्यों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
- प्र. २ आचार्य भरतमुनि के रस-सिद्धांत का सोदाहरण स्पष्टिकरण प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. ३ आचार्य मम्मट के साधारणीकरण पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ४ अलंकार और रस की महत्ता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ रीति की परिभाषा देकर, आचार्य वामन ने जिन भेदों पर प्रकाश डाला है, उन्हें प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. ६ ध्वनि का परिचय देकर, विभिन्न आचार्यों के ध्वनि संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ७ शब्द-शक्ति के भेदों का परिचय देकर, उन्हें सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. ८ वक्रोक्ति का अर्थ एवं परिभाषा देकर, उस पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
- प्र. ९ क्षेमेंद्रपूर्व आचार्यों का औचित्य-सिद्धांत स्पष्ट कीजिए।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
१. वर्तमान संदर्भ में रस सिद्धांत की प्रासंगिकता
 २. रीति के विविध पर्याय
 ३. साधारणीकरण
 ४. ध्वनि सिद्धांत का महत्त्व ।